अध्याय 14

संचार माध्यम और लोकतंत्र

इस अध्याय में हम यह जानेंगे कि संचार माध्यम (मीडिया) क्या होता है तथा इसके विभिन्न रूप कौन–कौन से होते हैं ? साथ ही वर्तमान समय मे विभिन्न क्षेत्रों मे मीड़िया की बढ़ती भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। इस अध्याय में हम यह जानकारी भी प्राप्त करेंगे कि एक लोकतान्त्रिक व्यवस्था में किस तरह मीडिया लोकतन्त्र को मजबूत करने में भूमिका निभाता है ? तथा इस व्यवस्था में कैसे मीडिया की स्वायत्ता को बनाए रखते हुए उसके उत्तरदायित्व तय किये जा सकते हैं ?

अक्सर हमारे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री विदेश यात्रा पर जाते हैं तो पल–पल उनके यात्रा कार्यक्रमों की समस्त जानकारी हमें मिलती रहती है। इसी तरह हमारी क्रिकेट टीम विदेश दौरे पर जाती है तो वहाँ खेले जाने वाले मैच के परिणामों की जानकारी भी तुरन्त हो जाती है। विश्व में होने वाले घटनाक्रमों की जानकारी भी हमें लगातार मिलती रहती है। आखिर हमें ये जानकारियाँ किस प्रकार से प्राप्त होती हैं ? हमें ये जानकारी टी.वी., रेडियो, अखबार आदि साधनों से प्राप्त होती है। इन सभी साधनों को हम 'संचार के माध्यम' (मीडिया) कहते हैं। इन साधनों के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना भी कठिन होगा।

संचार माध्यमों से प्राप्त सूचनाएँ

> **गतिविधि–**
> दिये गये चित्रों को देख कर हमें क्या सूचनाएँ प्राप्त हो रही हैं शिक्षक की सहायता से चर्चा करके लिखिये।

संचार माध्यम का अर्थ

मीडिया अंग्रेजी शब्द मीडियम से बना है जिसका अर्थ होता है– 'माध्यम'। विचारों और सूचनाओं के आदान–प्रदान की प्रणाली को हम 'संचार माध्यम' या 'मीडिया' कहते हैं। रेडियो, दूरदर्शन, सिनेमा, समाचार–पत्र व पत्रिकाएँ, टेलीफोन, कम्प्यूटर आदि मीडिया के विभिन्न रूप हैं जो वर्तमान समय में प्रचलित हैं।

संचार माध्यम (मीडिया) के रूप

- **मुद्रण माध्यम** → समाचार पत्र–पत्रिकाएं पुस्तक एवं जर्नल आदि
- **वार्तालाप माध्यम** → टेलीफोन, मोबाईल फोन, वीडियो फोन आदि
- **इलेक्ट्रोनिक माध्यम** → फिल्म, रेडियो, दूरदर्शन ऑडियो–वीडियो कैसेट डिस्क आदि

संचार माध्यमों के लिये प्रयोग में आने वाली प्रौद्योगिकी निरन्तर बदलती रहती है। वर्तमान में कम्प्यूटर के माध्यम से इन्टरनेट सेवा का प्रयोग एवं सोशल साइट्स से सूचनाओं के प्रवाह में क्रान्ति आई है।

जनसंचार के माध्यम

अखबार, रेडियो, टेलीविजन और इण्टरनेट की सोशल साईट्स की पहुँच बड़े जन समूह तक होने एवं अधिक लोगों को एक साथ प्रभावित करने के कारण इन्हे 'जन संचार के माध्यम' (मास मीडिया) कहा जाता है।

टेलीविजन

रेडियो

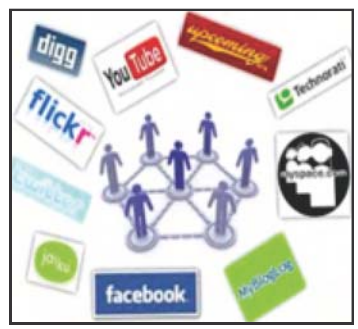

सोशल साइट्स

समाचार पत्र

इण्टरनेट

जन संचार के विभिन्न माध्यम

समाचार–पत्र,पत्रिकाएँ, जर्नल आदि 'मुद्रण माध्यम' (प्रिन्ट मीड़िया) के उदाहरण हैं। इन्हें हम मीडिया का सबसे पुराना रूप कह सकते हैं। यद्यपि पिछले कुछ दशकों में इसके पाठकों मे कमी आई है, फिर भी इसे सूचना का सबसे भरोसेमंद एवं उत्तरदायी माध्यम माना जाता है। रेडियो, टेलीविजन आदि ब्रॉडकास्टिंग माध्यम या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) की श्रेणी में आते हैं। ये विश्व के किसी भी कोने में होने वाली महत्त्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी तुरन्त पहुँचाने का प्रभावी माध्यम हैं। ये माध्यम घटनाओं को प्रभावी ढ़ंग से दिखाते हैं और विशेषज्ञों के माध्यम से उनका विश्लेषण करते हैं जिससे दर्षकों को किसी घटना के सभी पहलुओं को समझने का मौका मिलता है।

गतिविधि–

अपने गाँव/शहर में आप को देश–विदेश की विभिन्न सूचनाएँ किन–किन माध्यमों से प्राप्त होती हैं ? अपने सहपाठियों की सहायता से उन माध्यमों की सूची बनाइये।

जनसंचार माध्यम का महत्व

संचार के माध्यमों से हमें देश–विदेश मे होने वाली राजनीतिक, प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, खेल, गीत–संगीत, षिक्षा, विज्ञान तथा तकनीकी से सम्बन्धित सूचनाओं और महत्त्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है। नेपाल में आए भूकम्प की घटना हो या उडीसा और आन्ध्रप्रदेश में सूनामी का कहर, हम सबने टेलीविजन, रेडियो, अखबार के माध्यम से इस विनाश को देखा–सुना और पढ़ा है। जनसंचार माध्यमों ने इन घटनाओं के प्रति हमारे मन में संवेदना पैदा करने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। मीडिया आर्थिक एवं सांस्कृतिक वैश्वीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

समाचार पत्र, टेलीविजन, रेडियो आदि संचार माध्यम जनमानस के विचारों एवं दृष्टिकोण के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये विभिन्न विज्ञापनों और सूचनाओं के माध्यम से सरकार द्वारा जनहित में जारी लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार व प्रसार में सहायक हैं। सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं, जैसे– शिक्षा सबके लिये, स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इण्डिया, भामाशाह योजना, जन–धन योजना, ग्रीन इण्डिया–क्लीन इण्डिया, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, सड़क सुरक्षा अभियान जैसे सामाजिक सरोकारों से संबन्धित कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार में मीडिया अपनी सकारात्मक भूमिका निभा रहा है।

इस तरह हम समझ सकते हैं कि वर्तमान में मीडिया शिक्षा, जागरूकता, समस्या समाधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मीड़िया हमें सिर्फ सूचनाएँ प्रदान करने का कार्य ही नहीं करता, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुडे मुद्दों को भी यह प्रमुखता से उठाता है। जन जागरूकता व जनमत निर्माण में भूमिका निभाता है।

गतिविधि–

आपके विद्यालय मे आने वाले समाचार पत्रों से सरकार की विभिन्न योजनाओं के विज्ञापनों की कतरनें काट कर चार्ट पर चिपकाएँ एवं अपने शिक्षक की सहायता से उन योजनाओं के लाभ पर चर्चा कीजिए।

सड़क सुरक्षा में मीडिया की भूमिका

हम आए दिन अखबारों में पढ़ते है कि सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु हो गई है या गम्भीर रूप से घायल हो गये हैं। प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान चला कर इन घटनाओं के प्रति लोगों को जागरुक किया जाता है। यातायात नियमों की जानकारी लोगों को विभिन्न माध्यमों से दी जाती है। इस अभियान में मीडिया की भूमिका खास हो जाती है। मीड़िया लोगों को संदेशों व विज्ञापनों के माध्यम से यातायात के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करे। उसे सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता अनुसार सकारात्मक सूचनाएँ प्रसारित करनी चाहिए। सामाजिक विज्ञापन से घर और सड़कों पर जीवन की सुरक्षा संबंधी सन्देश देना चाहिए। मीडिया को स्पष्ट और निष्पक्ष विचार रखने चाहिए ताकि लोगों के विचारों में सकारात्मक प्रभाव पड़े। कुछ विज्ञापन गैर जिम्मेदाराना तरीके से उच्च क्षमता के वाहनों का प्रदर्शन स्टंट के दृश्य सहित, लेकिन बिना वैधानिक चेतावनी के प्रसारित किए जाते हैं। इसी प्रकार के दृश्यों वाले अन्य अनेक विज्ञापन और भी प्रसारित कर दिए जाते हैं। बिना वैधानिक चेतावनी के ऐसे विज्ञापन प्रसारित नहीं होने चाहिए, क्योंकि बच्चे व युवा इन दृश्यों का अनुसरण कर चोटग्रस्त हो सकते हैं।

वाहन चालन के समय निम्नलिखित सावधानियाँ रखें –

1. वाहन चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेन्स हो ।
2. दुपहिया वाहन चालक और सवार हेलमेट का प्रयोग करें। चौपहिया वाहन के चालक व सवार सीट बेल्ट का प्रयोग करें।
3. वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें।
4. तेज ड्राइविंग से बचें और वाहन निर्धारित गति सीमा में चलावें।
5. नशा करके वाहन न चलावें।
6. यातायात नियमों का पालन करें।
7. अपनी लेन में ही चले और यातायात संकेतकों का पालन करें।
8. आम सड़क पर वाहन चलाते हुए स्टंटबाजी नहीं करनी चाहिए।

गतिविधि–

1. शिक्षक विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में बाँट कर सड़क सुरक्षा पर विज्ञापन तैयार करवाएँ।
2. ''सड़कों पर कितना जोखिम है ?'' – विषय पर कक्षा में वाद–विवाद करें।

स्वच्छ भारत अभियान

02 अक्टूबर 2014 गाँधी जयंती के दिन हमारे प्रधानमंत्री ने भारत छोड़ो आंदोलन की तर्ज पर स्वच्छ भारत अभियान (क्लीन इड़िया मूवमेंट) की शुरुआत की। भारत के सवा सौ करोड़ लोगों को आन्दोलन का हिस्सा बनाने के लिये प्रधानमंत्री ने खुद हाथ में झाडू थामी। अभियान को राजनीति से दूर रखने का ऐलान कर हर नागरिक से आशा जताई कि वह अपने आस–पास स्वच्छता रखेगें। सफाई को सरकारी अभियान के बजाए जनता के आन्दोलन के रूप में स्थापित करने का भी उन्होंने प्रयास किया।

लोकतन्त्र में संचार माध्यमों की भूमिका–

स्वतन्त्र एवं निष्पक्ष संचार माध्यम (मीड़िया) लोकतन्त्र की अनिवार्य शर्त है। यह सरकार एवं जनता के बीच मध्यस्थता का कार्य करता है। यह सरकार की योजनाओं एवं कार्यों को जनता तक और जनता की भावनाओं को सरकार तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। मीडिया द्वारा न केवल समाचार व सूचनाओं का प्रसारण किया जाता है, बल्कि व्यापक स्तर पर जनमत के निर्माण में भी इसकी अहम भूमिका होती है। व्यापक जन समूह तक पहुँच के कारण इसे सशक्त माध्यम माना गया है। संचार माध्यमों से नागरिक जान सकते है कि सरकार किस प्रकार काम कर रही है।

'प्रेस' मीडिया का ही एक रूप है जिसे शासन का चौथा स्तम्भ माना गया है। लोकतान्त्रिक देशों में विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता प्रदान की गयी है। इस स्वतन्त्रता का उपयोग प्रेस के कारण सही ढ़ंग से हो सकता है। चुनावों के दौरान इसकी भूमिका और बढ़ जाती है। यह चुनावों में खड़े होने वाले उम्मीदवारों के बारे में जानकारी देता है जिससे मतदाता अच्छे प्रत्याशी का चयन कर सके। चुनाव होने से लेकर सरकार के गठन तक इसकी प्रभावी भूमिका रहती है।

मीड़िया का क्षेत्र व्यापक होने से जनमत निर्माण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसके द्वारा सरकार के कार्यों एवं नीतियों को व्यापक जनसमूह तक पहुँचाया जाता है। अखबार में लेखों एवं टेलीविजन पर चर्चा द्वारा वास्तविकताओं को जनता के समक्ष रखा जाता है जिससे साधारण नागरिक भी सरकार द्वारा किए जाने वाले कार्यों को जान सके एवं विचार निर्माण कर सके।

सोशल साइट्स के माध्यम से विचार अभिव्यक्ति का दायरा बढ़ गया है जिनके माध्यम से सरकार के किसी निर्णय पर तुरन्त प्रतिक्रिया प्राप्त हो जाती है। इससे सरकार को जनता के रुख का पता चलता

है एवं सरकार अपनी नीतियों की समीक्षा कर सकती है। इस तरह से बहुसंख्य जनता को निर्णय–निर्माण में भागीदारी मिलती है जो मजबूत लोकतन्त्र की पहचान है।

गतिविधि–

अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की सूची बनाइये जिन्हें आप मीडिया के माध्यम से सरकार तक पहुँचाना चाहेंगे।

उत्तरदायी मीडिया–

एक आदर्श मिडिया की अवधारणा में मिडिया सूचना प्रदाता, सकारात्मक, सृजनात्मक, प्रेरणादायी और मनोरंजक होता है। मीडिया लोकतन्त्र एवं मानव अधिकारों का एक सशक्त रक्षक है। एक उत्तरदायी मीडिया देश में कानून व्यवस्था को बनाये रखने तथा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को कायम रखने में अद्वितीय भूमिका निभाता है। मीडिया से राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से कार्य करते हुए देश में स्वस्थ जनमत का निर्माण करने और लोगों में उचित दृष्टिकोण विकसित करने में अपना अमूल्य योगदान देने की अपेक्षा की जाती है। उसे पर्यावरण और सामाजिक सरोकारों से सम्बन्धित विषयों को जनता के बीच उठाते रहना चाहिए और स्वस्थ बहस को जन्म देना चाहिए। उससे नकारात्मक और अनावश्यक सनसनीखेज रिपोर्टिंग के लालच से बचने की अपेक्षा की जाती है। मीड़िया का यह दायित्व है कि वह बिना किसी पूर्वाग्रह या पक्षपात के जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराये। लोकतंत्र में मीडिया को अपनी स्वतन्त्रता का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि उसके द्वारा प्रसारित व प्रकाशित किसी भी लेख अथवा कार्यक्रम से नागरिकों में परस्पर सौहार्द व शांति को आघात न पहुँचे।

शब्दावली

जनमत	–	जनता की राय अथवा जनता का मत
प्रसारण	–	किसी खबर वार्ता या कार्यक्रम को बहुत बड़े क्षेत्र में प्रसारित करना अर्थात फैलाना

अभ्यास प्रश्न

1. सही विकल्प को चुनिए–

(i) प्रिन्ट मीडिया का उदाहरण है–

(अ) समाचार पत्र (ब) टेलिविजन

(स) टेलिफोन (द) कम्प्यूटर ( )

(ii) मीडिया का उपयोग होता है–
  (अ) केवल सरकार के लिये (ब) केवल जनता के लिये
  (स) सरकार और जनता के लिये (द) केवल मीडिया के लोगों के लिये ( )

2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न रूप बताइये।
3. जन संचार माध्यमों से हमें कौन कौनसी सूचनाओं और घटनाओं की जानकारी मिलती हैं ?
4. आदर्श मीडिया के लक्षण लिखिये।
5. उत्तरदायी मीडिया पर तीन वाक्य लिखिए।
6. लोकतन्त्र में मीडिया का महत्त्व बताइए।
7. सड़क सुरक्षा के प्रति मीडिया अपनी भूमिका किस तरह निभा सकता है,समझाइए।
8. वाहन चलाते समय कौन–कौनसी सावधानियाँ रखनी चाहिए ?